रोजगार -

आप एक डाक्टर, शल्य चिकित्सक, दवा विक्रेता, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, राजनायक, वकील या उद्योगपति बन सकते हैं। आप सुरक्षा बलों के लिये जासूसी का काम भी कर सकते हैं। एक कलाकार के रूप में या महिला समुदाय से संबंधित काम करके भी आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

शुभ एवं अशुभ ग्रह -

१) लग्न का स्वामी होने के कारण मंगल शुभ ग्रह है। सूर्य और बृहस्पति भी लाभकारी ग्रह होगें।
२) नवमेश चन्द्रमा अति शुभ ग्रह होगा।
३) शनि उदासीन ग्रह होगा।
४) अष्टमेश और एकादशेश बुध तथा सप्तमेश और द्वितीयेश शुक्र अशुभ ग्रह हैं।
५) द्वितीयेश बृहस्पति और सप्तमेश शुक्र मारक ग्रह हो सकते हैं।

वृश्चिक लग्न वाले कुछ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति -

फील्ड मार्शल अयूब खान - पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति, अल्फ्रेड रसल, थॉमस अल्वा एडिसन - वैज्ञानिक, अरूण शौरी - मंत्री, लाल कृष्ण अड्वानी - मंत्री, इमरान खान - क्रिकेटर, जॉन ब्रॉग - टेनिस खिलाडी, धर्मेन्द्र - अभिनेता, नामदेव - संत, बेनजीर भुट्टो - पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री, मार्गेट थेचर - इंग्लैंड की पूर्व प्रधानमंत्री

जन्म-पत्रिका

Sample(Male)

Photograph

जन्म दिन- 18:10:1978(Wednesday)
जन्म समय- 11:00:00
जन्म स्थान- New Delhi(INDIA) 028:39 077:13
दादा का नाम-
दादी का नाम-
पिता का नाम-
माता का नाम-
धर्म-
जाति-
उप जाति-
फोन-
मोबाइल-
इ-मेल-
पता-

नाम- *Abhimanue Singh*
संस्था का नाम- *Mindsutra Software Technologies*
पता- *www.mindsutra.com*
www.saarcastro.org
mindsutra@gmail.com
फोन- *09818193410, 09350247058*

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन-	18 October 1978 (Wednesday)		
जन्म समय-	11:00:00		
जन्म स्थान-	New Delhi , INDIA	सांपातिक काल-	12:24:17 hrs
रेखांश-	077:13:00E	सूर्योदय-	06:26:40AM
अक्षांश-	028:39:00N	सूर्यास्त-	05:46:25PM
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	अयनांश-	N.C.Lahiri (023:33:39)
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	**विक्रम संवत्-**	**2035**
जीएमटी.समय-	05:30:00 hrs	**शक संवत्-**	**1900**
स्थानीय समय संस्कार-	-00:21:08 hrs	**संवत्सर-**	**कालयुक्त**
स्थानीय समय-	10:38:52 hrs	**संवत्सर अधिपति-**	**अश्विनी**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	वृश्चिक
लग्नाधिपति :	मंगल
राशि (चन्द्रमा) :	मेष
राशिपति :	मंगल
नक्षत्र :	भरणी
नक्षत्रपति :	शुक्र
नक्षत्र चरण :	4
पाया :	स्वर्ण
ऋतु :	शरद
मास :	कार्तिक
पक्ष :	कृष्ण
तिथि :	तृतीया
तिथि श्रेणी :	जया
तिथि पति :	मंगल
करण :	वनिज
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	मनिभद्र
गण :	मनुष्य
वर्ण :	क्षत्रिय
योनि :	हस्त (पु)
सूर्य सिद्धान्त योग :	सिद्धि
रज्जु :	कटि
वश्य :	चतुश्पद
तत्व :	पृथ्वी
तत्वाधिपति :	बुध
विहग :	भारधंक
नाड़ी :	मध्य
नाड़ी पद :	मध्य
वेध :	अनुराधा
आद्याक्षर :	ला

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	मेष
मास :	कार्तिक
तिथि :	1,6,11
वार :	रविवार
नक्षत्र :	माघ
प्रहर :	1
लग्न :	मेष
सूर्य सिद्धान्त योग :	विषकुम्भ
करण :	बावा

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सुर्य राशि-	तुला
देकानेट-	3
फेस :	V
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	वृष
लग्न (पाश्चात्य) :	धनु
सूर्य का अवधिपति :	मंगल
चन्द्रमा का अवधिपति :	गुरु
अवधि बदलाव :	(बुध, गुरु), (गुरु, बुध)

अवगुण :-

आप निष्ठुर और आलोचक हो सकते हैं। आपके व्यवहार में लचीलापन नहीं हो सकता है। आपमें प्रतिशोध की भावना हो सकती है।

विशेष लक्षण-

१) आप बहुत शांत होगें, लेकिन किसी विरोधी को भूलना या क्षमा करना आपके लिये कठिन होगा। आप अपमान या चोट को नहीं भूलेगें।

२) आपको दूसरों को आदेश देना और उन पर शासन करना पसन्द होगा, लेकिन किसी के अधीन रहना आपको पसन्द नहीं होगा।

३) शुरूआती हिचकिचाहट के बाद आप लोगों के एक घनिष्ठ मित्र बन जायेगें।

मानसिक स्थिति-

आपकी कुण्डली में चंद्रमा मेष राशि में स्थित है, जो मंगल द्वारा संचालित होता है। यह चलायमान और आग्नेय राशि है। आप संवेगी, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर तथा आशावादी हो सकते हैं। आप उग्र तथा आतंकी स्वभाव के हो सकते हैं। आप बहुत अधिक आज्ञाकारी नही होगें, तथा परंपरा और रीति-रिवाजों को अधिक महत्व नही देगें। आप परिवर्तनशील एवं चंचल हो सकते हैं, तथा आप धैर्यवान नही होगें। आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा, और जल्द गुस्सा हो जायेगें। आप दूसरों के द्वारा दी गयी सलाह नहीं मानेगें, और सदा अपने विचारों को मान्यता देगें।

आप बहुत अधिक प्रसिद्धि पायेगें, और आपके बहुत प्रशंसक और मित्र होगें। आपमें दूसरों में जागरूकता लाने की क्षमता होगी, जिससे आप बहुत लोगों को अपने नियंत्रण में रख सकते हैं। अपने विशिष्ट गुणों के कारण आप जल्दी ही अपनी पहचान बनायेगें, तथा आप किसी विभाग, कार्यालय या उपक्रम के अध्यक्ष बन सकते हैं। यदि अपने कार्यस्थल पर आपको कोई विशेषाधिकार प्राप्त नही है, तो आप अपने लिए जल्द ही नए रास्तों की तलाश कर लेगें। छोटी आयु में ही आप निश्चित रूप से बढ़िया स्थिति प्राप्त कर लेंगे। आपको किसी पार्टी की सदस्यता पसंद नहीं होगी। आपके व्यवसाय में कुछ गोपनीयता हो सकती है। रहस्यपूर्ण विषय आपको आकर्षित करेगें, तथा इनसे संबंधित विषयों के अध्ययन में दिलचस्पी होगी।

आप में अद्भुत जीवन शक्ति होगी। लेकिन आप निरंतर कुछ छोटी दुर्घटनाओं का सामना कर सकते हैं। बचपन में किसी दुर्घटना के फलस्वरूप आपके सिर या चेहरे पर निशान हो सकता है। आपको कुछ अधिक गर्मी महसूस हो सकती है, या बुखार से पीड़ित हो सकते हैं। आप महिला समुदाय के प्रति आकर्षित होगें, और छोटी उम्र में ही आपके द्वारा पसंद किए गये व्यक्ति से आपका विवाह हो सकता है। आपको शिशुओं से लगाव होगा और आपकी पहली संतान आपकी आँखों का तारा होगा । अगर आपकी कुण्डली में कोई प्रभावशाली ग्रह नहीं, है तो माता-पिता में से किसी एक के साथ आपके गहरे मतभेद हो सकते हैं, और किशोरावस्था में ही परिस्थितिवश उनसे अलग हो सकते हैं।

जातक से संबंधित सामान्य भविष्यवाणी

सामान्य जानकारी-

आपकी लग्न राशि वृश्चिक है, जिसका स्वामी मंगल है। यह एक जलीय, स्थिर या भयानक व मूक राशि है। विशेषत: यह स्त्री प्रधान, फलदायक, उग्र और हिंसात्मक राशि है। आप उग्र, आत्मविश्वासी और मनोवेगपूर्ण हो सकते हैं। आप बहुत बुद्धिमान और चतुर होगें। आप कुछ हठी, संकल्पित स्वभाव के, आवेगी, साहसी एवं प्रतिस्पर्धा करने वाले होगें, परन्तु इसके आने पर आप घबरा जाते हैं। आप उत्साही होगें, परन्तु आरक्षित रहना पसंद करेगें एवं वार्तालाप के समय चिंता मग्न रहेगें। आप बहुत सोच समझकर बात करेगें, और आपके शब्दों का सकारात्मक अर्थ होगा। आप परिश्रमी होगें, और किसी काम को अधूरा नहीं छोडेगें। आपके विचार पहले से अचल व अपरिवर्तनीय होगें।

आप बातचीत में दक्ष होगें। उदारता और सौम्यता आपके गुण होगें। परोपकार के लिये आप किसी भी चीज का त्याग कर सकते हैं। आप पुरानी परम्पराओं और परामरागत मूल्यों को महत्व देगें। आपको राजकीय सम्मान मिलेगा। संगीत और कला से आपको प्रेम होगा। आप पर कुछ भी थोपा नहीं जा सकता है, पर आप दूसरों पर आप अपनी बात थोप सकते हैं। आप अपनी कूटनीतिक दक्षता के द्वारा शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगें। आपकी यह विशेषता समय-समय पर सहायक होगी और आपको कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालेगी। रहस्यपूर्ण और भावयोगी विषयों में आपकी गहरी रूचि होगी। आपकी प्रकृति रहस्यमय होगी, और आप अपनी कार्य योजना को किसी के सामने प्रगट नहीं करेगें। आप अपने विचारों पर अडिग रहेगें। आप किसी तरह की खोज संबंधी कार्यों में लगे हो सकते हैं या किसी ऐसे क्षेत्र की तरफ रूख कर सकते हैं जहाँ निष्कर्ष निकालने के लिए तीव्र दिमाग की जरूरत होती है।

शारीरिक संरचना-

आप मध्यम कद के स्थूल शरीर तथा बड़े चेहरे वाले हो सकते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपकी रंगत गोरी होगी। आपके नेत्र पीले, बडे और गहरे हो सकते हैं। आपके कंधे चौडे और कमर पतली हो सकती है। आपकी टांगे टेढ़ी या पैरों में कोई दोष हो सकता है। आप के बाल घुँघराले हो सकते हैं। आपके शरीर का ऊपरी भाग निचले भाग से बड़ा हो सकता है।

गुण-

आप निडर, ऊर्जावान, शक्तिशाली होगें। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण होगी। आप वफादार और कल्पनाशील होगें। रोमांच, नृत्य और जीवन के विलासों से आपको प्रेम होगा। आपको समाज में एक ऊँचा स्थान मिलेगा।

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र - चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
लग्न	वृश्चिक	मंगल	29:32:28	ज्येष्ठा.4	बुध	...	...	...
सूर्य	तुला	शुक्र	00:55:32	चित्रा.3	मंगल	दारा	नीचस्थ	शुभ ग्रह के साथ
चन्द्रमा	मेष	मंगल	25:20:31	भरणी.4	शुक्र	भ्रात्रि	मित्र के भाव में	——
मंगल	तुला	शुक्र	25:54:52	विशाखा.2	गुरू	अमात्य	तटस्थ भाव में	शुभ ग्रह के साथ
बुध	तुला	शुक्र	12:44:41	स्वाति2	राहु	ज्ञाति	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
गुरू	कर्क	चन्द्रमा	13:11:00	पुष्य.3	शनि	अपत्या	तटस्थ भाव में	——
शुक्र व	तुला	शुक्र	29:14:43	विशाखा.3	गुरू	आत्म	स्वग्रही	शुभ ग्रह के साथ
शनि	सिहं	सूर्य	16:32:48	पुर्वफाल्गुनी.1	शुक्र	मात्रि	शत्रु के भाव में	——
राहु व	कन्या	बुध	01:37:30	उत्तरफाल्गुनी.2	सूर्य	...	तटस्थ भाव में	——
केतु व	मीन	गुरू	01:37:30	पूर्वाभाद्र.4	गुरू	...	तटस्थ भाव में	——
हर्षल	तुला	शुक्र	21:47:39	विशाखा.1	गुरू	...	——	शुभ ग्रह के साथ
नेपच्यून	वृश्चिक	मंगल	22:40:43	ज्येष्ठा.2	बुध	...	——	——
प्लूटो	कन्या	बुध	23:21:11	चित्रा.1	मंगल	...	——	ज्वलित

लग्न कुण्डली

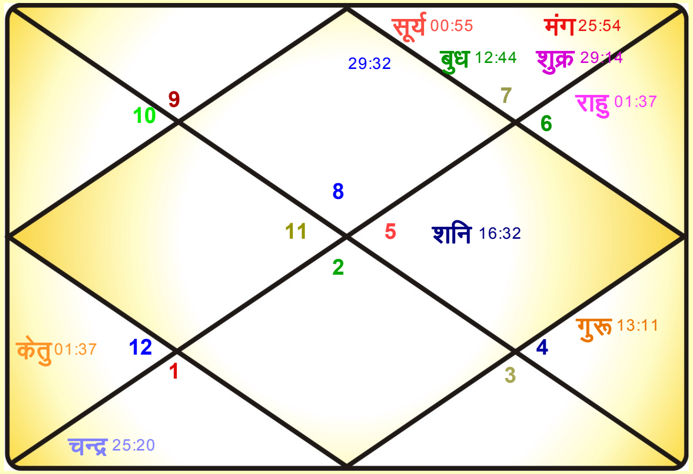

नवांश कुण्डली

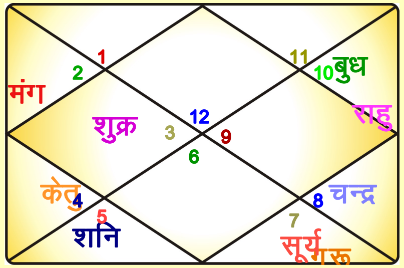

चन्द्र कुण्डली

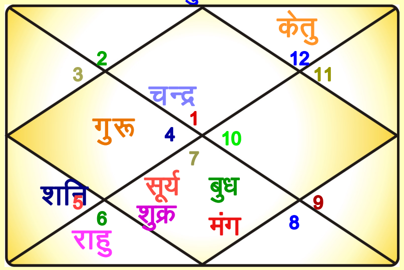

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ---अन्त)			
I	वृश्चिक	029:32:28	वृश्चिक	16:47:34	धनु	16:47:34
II	धनु	004:02:40	धनु	16:47:34	मकर	21:17:46
III	मकर	008:32:52	मकर	21:17:46	कुम्भ	25:47:58
IV	कुम्भ	013:03:05	कुम्भ	25:47:58	मीन	25:47:58
V	मीन	008:32:52	मीन	25:47:58	मेष	21:17:46
VI	मेष	004:02:40	मेष	21:17:46	वृष	16:47:34
VII	वृष	029:32:28	वृष	16:47:34	मिथुन	16:47:34
VIII	मिथुन	004:02:40	मिथुन	16:47:34	कर्क	21:17:46
IX	कर्क	008:32:52	कर्क	21:17:46	सिहं	25:47:58
X	सिहं	013:03:05	सिहं	25:47:58	कन्या	25:47:58
XI	कन्या	008:32:52	कन्या	25:47:58	तुला	21:17:46
XII	तुला	004:02:40	तुला	21:17:46	वृश्चिक	16:47:34

लग्न कुण्डली

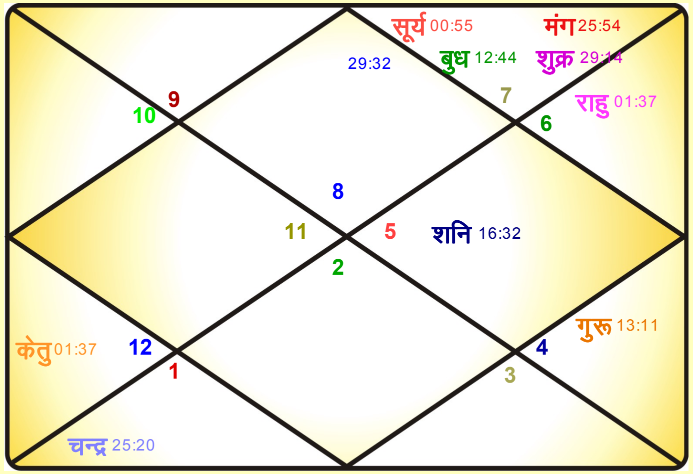

भाव कुण्डली

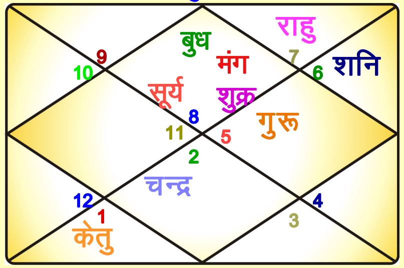

भाव चलित कुण्डली

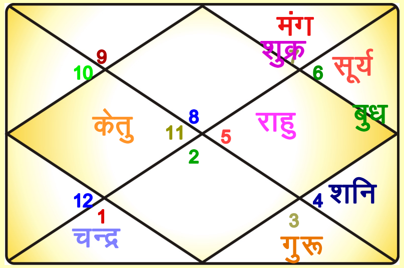

योगिनी दशा

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ------------ तक	समय बिन्दु
1	भद्रीका(बुध)(भरणी)	0 y.5 m.29 d.	18:10:1978 to 17:04:1979	041:59:24
2	उल्का (शनि)(कृत्तिका)	6 y.0 m.0 d.	17:04:1979 to 17:04:1985	317:28:20
3	सिद्धा (शुक्र)(रोहिणी)	7 y.0 m.0 d.	17:04:1985 to 17:04:1992	234:35:14
4	संकटा (राहु)(मृगशिर)	8 y.0 m.0 d.	17:04:1992 to 17:04:2000	357:32:22
5	मंगला (चन्द्रमा)(आर्द्रा)	1 y.0 m.0 d.	17:04:2000 to 17:04:2001	176:58:01
6	पिगंला (सूर्य)(पुनर्वसु)	2 y.0 m.0 d.	17:04:2001 to 17:04:2003	284:06:32
7	धन्या (बृहस्पति)(पुष्य)	3 y.0 m.0 d.	17:04:2003 to 17:04:2006	239:43:49
8	भ्रमरी(मंगल)(आश्लेषा)	4 y.0 m.0 d.	17:04:2006 to 17:04:2010	038:39:33
9	भद्रीका(बुध)(मघा)	5 y.0 m.0 d.	17:04:2010 to 17:04:2015	164:22:11
10	उल्का (शनि)(पूर्वाफाल्गुनी)	6 y.0 m.0 d.	17:04:2015 to 17:04:2021	345:47:31
11	सिद्धा (शुक्र)(उत्तराफाल्गुनी)	7 y.0 m.0 d.	17:04:2021 to 17:04:2028	030:10:15
12	संकटा (राहु)(हस्त)	8 y.0 m.0 d.	17:04:2028 to 17:04:2036	176:58:01
13	मंगला (चन्द्रमा)(चित्रा)	1 y.0 m.0 d.	17:04:2036 to 17:04:2037	231:15:23
14	पिगंला (सूर्य)(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	17:04:2037 to 17:04:2039	332:33:02
15	धन्या (बृहस्पति)(विशाखा)	3 y.0 m.0 d.	17:04:2039 to 17:04:2042	206:22:01
16	भ्रमरी(मंगल)(अनुराधा)	4 y.0 m.0 d.	17:04:2042 to 17:04:2046	342:27:40
17	भद्रीका(बुध)(ज्येष्ठा)	5 y.0 m.0 d.	17:04:2046 to 17:04:2051	025:29:22
18	उल्का (शनि)(मूल)	6 y.0 m.0 d.	17:04:2051 to 17:04:2057	108:10:18
19	सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाषाढ)	7 y.0 m.0 d.	17:04:2057 to 17:04:2064	058:29:26
20	संकटा (राहु)(उत्तराषाढ़)	8 y.0 m.0 d.	17:04:2064 to 17:04:2072	332:33:02
21	मंगला (चन्द्रमा)(श्रवण)	1 y.0 m.0 d.	17:04:2072 to 17:04:2073	050:41:02
22	पिगंला (सूर्य)(धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	17:04:2073 to 17:04:2075	026:50:24
23	धन्या (बृहस्पति)(शतभिषा)	3 y.0 m.0 d.	17:04:2075 to 17:04:2078	254:48:30
24	भ्रमरी(मंगल)(पूर्वाभाद्रपद)	4 y.0 m.0 d.	17:04:2078 to 17:04:2082	309:05:52

अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का कितिकादी सिद्धान्त प्रभावी हो रहा है।

क्रम	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ------------	समय बिन्दु
1	शुक्र(भरणी)	0 y.6 m.8 d.	18:10:1978 -- 26:04:1979	058:29:26
2	सूर्य(कृत्तिका)	2 y.0 m.0 d.	26:04:1979 -- 26:04:1981	001:51:04
3	सूर्य(रोहिणी)	2 y.0 m.0 d.	26:04:1981 -- 26:04:1983	206:16:03
4	सूर्य(मृगशिर)	2 y.0 m.0 d.	26:04:1983 -- 26:04:1985	026:50:24
5	चन्द्रमा(आर्द्रा)	3 y.9 m.0 d.	26:04:1985 -- 25:01:1989	176:58:01
6	चन्द्रमा(पुनर्वसु)	3 y.9 m.0 d.	25:01:1989 -- 26:10:1992	128:31:31
7	चन्द्रमा(पुष्य)	3 y.9 m.0 d.	26:10:1992 -- 26:07:1996	161:53:19
8	चन्द्रमा(आश्लेषा)	3 y.9 m.0 d.	26:07:1996 -- 26:04:2000	218:05:12
9	मंगल(मघा)	2 y.8 m.0 d.	26:04:2000 -- 26:12:2002	177:32:22
10	मंगल(पूर्वाफाल्गुनी)	2 y.8 m.0 d.	26:12:2002 -- 26:08:2005	055:09:35
11	मंगल(उत्तराफाल्गुनी)	2 y.8 m.0 d.	26:08:2005 -- 26:04:2008	026:50:24
12	बुध(हस्त)	4 y.3 m.0 d.	26:04:2008 -- 26:07:2012	218:05:12
13	बुध(चित्रा)	4 y.3 m.0 d.	26:07:2012 -- 26:10:2016	038:39:33
14	बुध(स्वाती)	4 y.3 m.0 d.	26:10:2016 -- 25:01:2021	344:22:11
15	बुध(विशाखा)	4 y.3 m.0 d.	25:01:2021 -- 26:04:2025	295:55:41
16	शनि(अनुराधा)	3 y.4 m.0 d.	26:04:2025 -- 26:08:2028	273:05:37
17	शनि(ज्येष्ठा)	3 y.4 m.0 d.	26:08:2028 -- 26:12:2031	329:17:29
18	शनि(मूल)	3 y.4 m.0 d.	26:12:2031 -- 26:04:2035	108:10:18
19	गुरू(पूर्वाषाढ)	4 y.9 m.0 d.	26:04:2035 -- 25:01:2040	312:25:44
20	गुरू(उत्तराषाढ)	4 y.9 m.0 d.	25:01:2040 -- 26:10:2044	284:06:32
21	गुरू(अभिजीत)	4 y.9 m.0 d.	26:10:2044 -- 27:07:2049	284:06:32
22	गुरू(श्रवण)	4 y.9 m.0 d.	27:07:2049 -- 26:04:2054	128:31:31
23	राहु(धनिष्ठा)	4 y.0 m.0 d.	26:04:2054 -- 26:04:2058	357:32:22
24	राहु(शतभिषा)	4 y.0 m.0 d.	26:04:2058 -- 26:04:2062	303:15:00
25	राहु(पूर्वाभाद्रपद)	4 y.0 m.0 d.	26:04:2062 -- 26:04:2066	254:48:30
26	शुक्र(उत्तराभाद्रपद)	5 y.3 m.0 d.	26:04:2066 -- 27:07:2071	345:47:31
27	शुक्र(रेवती)	5 y.3 m.0 d.	27:07:2071 -- 26:10:2076	041:59:24

(विशेष- घटनाओं के समय की सटीक जानकारी और स्पष्ट परिणाम के लिए आपको केवल एन सी लाहिड़ी अयनांश का प्रयोग करना चाहिए।)

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उच्च बल	03.02	57.45	29.30	50.75	57.27	10.75	38.85
सप्त वर्ग बल	46.88	67.50	58.13	90.00	157.50	88.13	84.38
युग्म अयुग्म बल	30.00	15.00	15.00	15.00	15.00	00.00	30.00
केन्द्रादी बल	15.00	15.00	15.00	15.00	15.00	15.00	60.00
द्रेक्कन बल	15.00	15.00	00.00	15.00	00.00	15.00	15.00
स्थान बल	109.90	169.95	117.43	185.75	244.77	128.87	228.22
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	66.61	127.78	122.32	112.58	148.35	96.90	237.73
दिग बल	54.04	45.90	45.71	44.40	14.55	15.40	34.33
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	154.41	91.81	152.37	126.86	41.56	30.80	114.44
नतोन्नत बल	54.42	05.58	05.58	54.42	00.00	54.42	05.58
पक्ष बल	08.14	51.86	08.14	08.14	51.86	51.86	08.14
त्रिभाग बल	60.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
वर्ष बल	15.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	17.68	07.72	07.54	46.51	52.73	06.46	19.82
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	155.23	65.16	111.26	109.06	209.59	112.74	33.54
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	138.60	65.16	166.06	97.38	187.13	112.74	50.06
चेष्टा बल	17.68	51.86	00.00	00.00	15.00	00.00	30.00
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	35.36	172.87	00.00	00.00	30.00	00.00	75.00
नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	08.57
द्रिक बल	03.60	-04.36	-22.61	-00.84	-06.32	-23.44	-07.76
कुल षडबल	400.45	379.95	268.93	364.10	511.88	276.42	326.91
षडबल (रूप में)	6.67	6.33	4.48	6.07	8.53	4.61	5.45
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	102.68	105.54	89.64	86.69	131.25	83.76	108.97
तुलनात्मक स्थिति	2	3	7	4	1	6	5
इष्ट फल	08.13	54.58	00.00	00.00	29.31	00.00	34.14
कष्ट फल	51.87	05.42	60.00	60.00	30.69	60.00	25.86
दिप्ति बल	100.00	51.86	08.33	25.33	25.91	36.15	14.79

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
भावाधिपति बल	268.93	326.91	326.91	511.88	268.93	276.42	276.42	379.95	400.45	364.10	276.42	268.93
भाव दिग्बल	00.00	50.00	10.00	30.00	50.00	20.00	30.00	10.00	10.00	60.00	40.00	50.00
भाव दृष्टि बल	-12.38	03.60	-14.13	-00.91	21.95	02.28	-30.29	-07.82	04.46	08.16	00.74	-12.21
भाव बल का योग	256.55	380.51	322.77	540.97	340.88	298.70	276.13	382.13	414.91	432.26	317.16	306.72
भाव बल (रूप में)	4.28	6.34	5.38	9.02	5.68	4.98	4.60	6.37	6.92	7.20	5.29	5.11
तुलनात्मक स्थिति	12	5	7	1	6	10	11	4	3	2	8	9

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉ सूर्य	...	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
☽ चन्द्रमा	मित्र	...	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
♂ मंगल	मित्र	मित्र	...	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
☿ बुध	मित्र	शत्रु	सम	...	सम	मित्र	सम	सम	सम
♃ गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	...	शत्रु	सम	मित्र	सम
♀ शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	...	मित्र	मित्र	मित्र
♄ शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	...	मित्र	मित्र
☊ राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	...	सम
☋ केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	...

तत्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉ सूर्य	...	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
☽ चन्द्रमा	शत्रु	...	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
♂ मंगल	शत्रु	शत्रु	...	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
☿ बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	...	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
♃ गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	...	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
♀ शुक्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	...	मित्र	मित्र	शत्रु
♄ शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	...	मित्र	शत्रु
☊ राहु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	...	शत्रु
☋ केतु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	...

पचंधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉ सूर्य	...	सम	सम	शत्रु	अधिमित्र	अधिशत्रु	सम	सम	अधिशत्रु
☽ चन्द्रमा	सम	...	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु	सम
♂ मंगल	सम	सम	...	अधिशत्रु	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
☿ बुध	सम	अधिशत्रु	शत्रु	...	मित्र	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
♃ गुरू	अधिमित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	...	सम	मित्र	अधिमित्र	शत्रु
♀ शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	सम	मित्र	...	अधिमित्र	अधिमित्र	सम
♄ शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	...	अधिमित्र	सम
☊ राहु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	...	शत्रु
☋ केतु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	...

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३३:३६) : शुक्र : १ व० ११ मा० २५ दि०

क्र० स०	ग्रह दशा	अवधि	से ———— तक
1	शुक्र महादशा	1 y.11 m.25 d.	18:10:1978 --- 13:10:1980
2	सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	13:10:1980 --- 13:10:1986
3	चन्द्रमा महादशा	10 y.0 m.0 d.	13:10:1986 --- 13:10:1996
4	मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	13:10:1996 --- 13:10:2003
5	राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	13:10:2003 --- 13:10:2021
6	गुरू महादशा	16 y.0 m.0 d.	13:10:2021 --- 13:10:2037
7	शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	13:10:2037 --- 13:10:2056
8	बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	13:10:2056 --- 13:10:2073
9	केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	13:10:2073 --- 13:10:2080

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से –
शुक्र	
सूर्य	
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
गुरू	
शनि	
बुध	18:10:1978
केतु	13:08:1979

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से –
सूर्य	13:10:1980
चन्द्रमा	31:01:1981
मंगल	01:08:1981
राहु	07:12:1981
गुरू	01:11:1982
शनि	20:08:1983
बुध	01:08:1984
केतु	08:06:1985
शुक्र	13:10:1985

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	13:10:1986
मंगल	13:08:1987
राहु	14:03:1988
गुरू	13:09:1989
शनि	13:01:1991
बुध	13:08:1992
केतु	13:01:1994
शुक्र	13:08:1994
सूर्य	13:04:1996

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से –
मंगल	**13:10:1996**
राहु	11:03:1997
गुरू	30:03:1998
शनि	05:03:1999
बुध	13:04:2000
केतु	11:04:2001
शुक्र	07:09:2001
सूर्य	07:11:2002
चन्द्रमा	14:03:2003

राहु दशा

अन्तर्दशा	से –
राहु	13:10:2003
गुरू	26:06:2006
शनि	19:11:2008
बुध	25:09:2011
केतु	14:04:2014
शुक्र	02:05:2015
सूर्य	02:05:2018
चन्द्रमा	27:03:2019
मंगल	25:09:2020

गुरू दशा

अन्तर्दशा	से –
गुरू	13:10:2021
शनि	01:12:2023
बुध	14:06:2026
केतु	19:09:2028
शुक्र	26:08:2029
सूर्य	25:04:2032
चन्द्रमा	12:02:2033
मंगल	14:06:2034
राहु	20:05:2035

शनि दशा

अन्तर्दशा	से –
शनि	13:10:2037
बुध	16:10:2040
केतु	26:06:2043
शुक्र	04:08:2044
सूर्य	04:10:2047
चन्द्रमा	16:09:2048
मंगल	17:04:2050
राहु	26:05:2051
गुरू	02:04:2054

बुध दशा

अन्तर्दशा	से –
बुध	13:10:2056
केतु	11:03:2059
शुक्र	07:03:2060
सूर्य	06:01:2063
चन्द्रमा	13:11:2063
मंगल	14:04:2065
राहु	11:04:2066
गुरू	28:10:2068
शनि	03:02:2071

केतु दशा

अन्तर्दशा	से –
केतु	13:10:2073
शुक्र	11:03:2074
सूर्य	11:05:2075
चन्द्रमा	16:09:2075
मंगल	16:04:2076
राहु	13:09:2076
गुरू	01:10:2077
शनि	07:09:2078
बुध	16:10:2079

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

गोचर शनि
(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	02:06:1995	10:08:1995	0 y.2 m.8 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	16:02:1996	17:04:1998	2 y.1 m.29	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)					
तृतिय ढ़ैया	वृष	07:06:2000	23:07:2002	2 y.1 m.15	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	08:01:2003	07:04:2003	0 y.2 m.28	
कंटक शनि	कर्क	06:09:2004	13:01:2005	0 y.4 m.7 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	कर्क	26:05:2005	01:11:2006	1 y.5 m.7 d.	
अष्टम शनि	वृश्चिक	02:11:2014	26:01:2017	2 y.2 m.24	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	21:06:2017	26:10:2017	0 y.4 m.5 d.	

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	29:03:2025	03:06:2027	2 y.2 m.5 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	20:10:2027	23:02:2028	0 y.4 m.4 d.	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14	
तृतिय ढ़ैया	वृष	08:08:2029	05:10:2029	0 y.1 m.27	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	17:04:2030	31:05:2032	2 y.1 m.14	
कंटक शनि	कर्क	13:07:2034	27:08:2036	2 y.1 m.15	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)					
अष्टम शनि	वृश्चिक	12:12:2043	23:06:2044	0 y.6 m.11	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	30:08:2044	08:12:2046	2 y.3 m.8 d.	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	14:05:2054	02:09:2054	0 y.3 m.19 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	05:02:2055	07:04:2057	2 y.2 m.0 d.	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)					
तृतिय ढ़ैया	वृष	28:05:2059	11:07:2061	2 y.1 m.13 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	13:02:2062	07:03:2062	0 y.0 m.22 d.	
कंटक शनि	कर्क	24:08:2063	06:02:2064	0 y.5 m.14 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	कर्क	09:05:2064	13:10:2065	1 y.5 m.4 d.	
अष्टम शनि	वृश्चिक	05:02:2073	31:03:2073	0 y.1 m.23 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	23:10:2073	16:01:2076	2 y.2 m.24 d.	

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

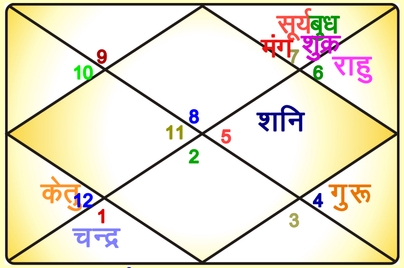

होरा कुण्डली

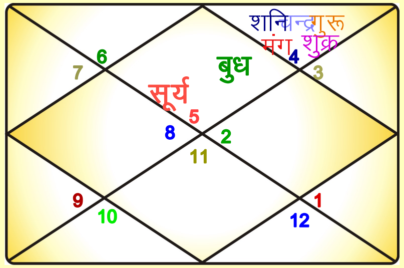

द्रेष्काण कुण्डली

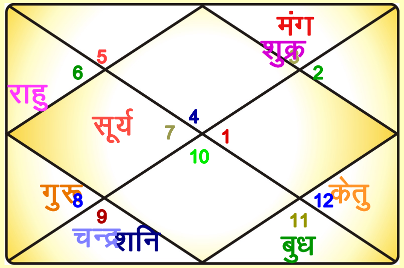

चतुर्थांश कुण्डली

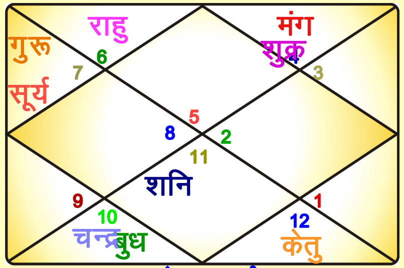

सप्तमांश कुण्डली

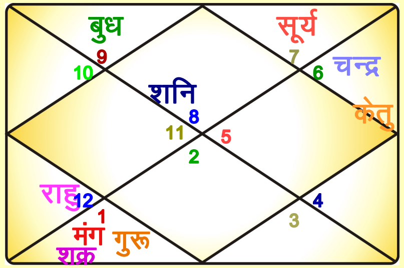

नवांश कुण्डली

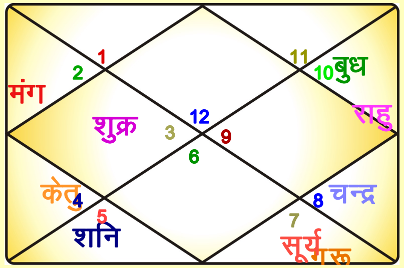

दशमांश कुण्डली

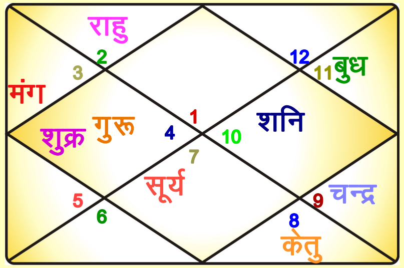

द्वादशांश कुण्डली

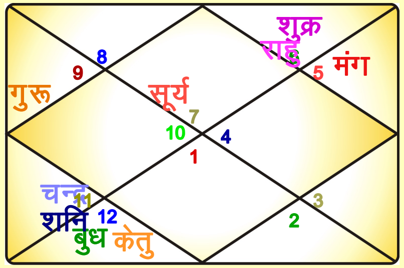

षोडश वर्ग

षोडशांश कुण्डली

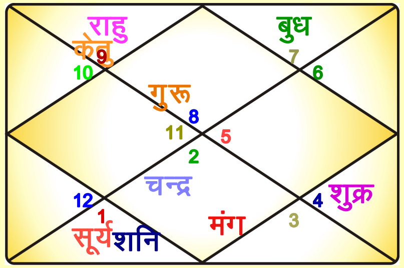

विंशांश कुण्डली

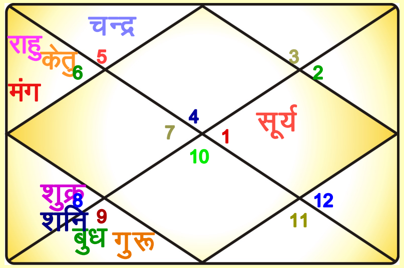

चतुर्विंशांश कुण्डली

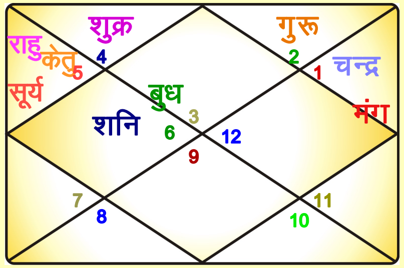

सप्तविंशांश कुण्डली

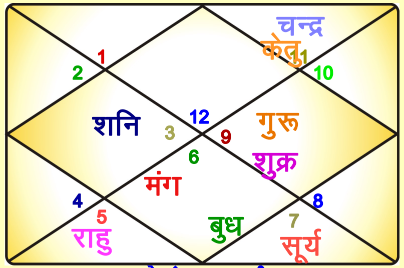

त्रिंशांश कुण्डली

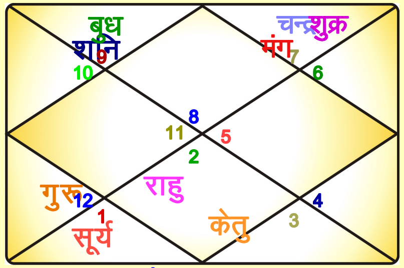

खवेदांश कुण्डली

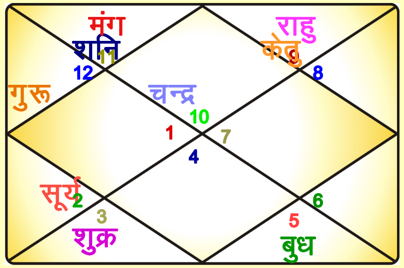

अक्षवेदांश कुण्डली

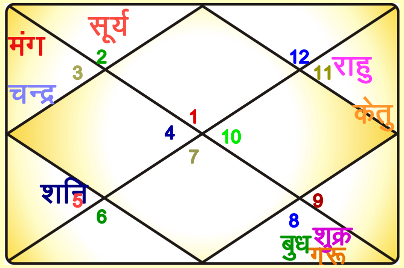

षष्ठांश कुण्डली

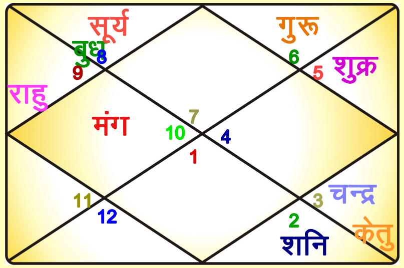

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

ग्रह स्थिति-कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0	राशि	उप	उपउप	उउउ	विशेष
लग्न	वृश्चिक	29:38:16	ज्येष्ठा-४	बुध	मंगल	शनि	राहु	शुक्र	...
सूर्य	तुला	01:01:19	चित्रा-३	मंगल	शुक्र	बुध	मंगल	शुक्र	नीचस्थ
चन्द्रमा	मेष	25:26:19	भरणी-४	शुक्र	मंगल	बुध	गुरू	बुध	मित्र के भाव में
मंगल	तुला	26:00:39	विशाखा-२	गुरू	शुक्र	केतु	चन्द्रमा	गुरू	तटस्थ भाव में
बुध	तुला	12:50:29	स्वाती-२	राहु	शुक्र	बुध	केतु	शुक्र	मित्र के भाव में
गुरू	कर्क	13:16:48	पुष्य-३	शनि	चन्द्रमा	राहु	गुरू	बुध	तटस्थ भाव में
शुक्र व	तुला	29:20:31	विशाखा-३	गुरू	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शुक्र	स्वग्रही
शनि	सिहं	16:38:36	पूर्वाफाल्गनी-१	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	गुरू	शुक्र	शत्रु के भाव में
राहु व	कन्या	01:43:18	उत्तराफाल्गनी-२	सूर्य	बुध	गुरू	शनि	गुरू	तटस्थ भाव में
केतु व	मीन	01:43:18	पूर्वाभाद्रपद-४	गुरू	गुरू	राहु	गुरू	बुध	तटस्थ भाव में
हर्षल	तुला	21:53:27	विशाखा-१	गुरू	शुक्र	शनि	शनि	केतु	––
नेपच्यून	वृश्चिक	22:46:30	ज्येष्ठा-२	बुध	मंगल	चन्द्रमा	शनि	शुक्र	––
प्लूटो	कन्या	23:26:59	चित्रा-१	मंगल	बुध	मंगल	राहु	केतु	––
फारच्यूना	मिथुन	24:03:15	पुनर्वसु-२	शनि	बुध	बुध	बुध	बुध	....

लग्न कुण्डली

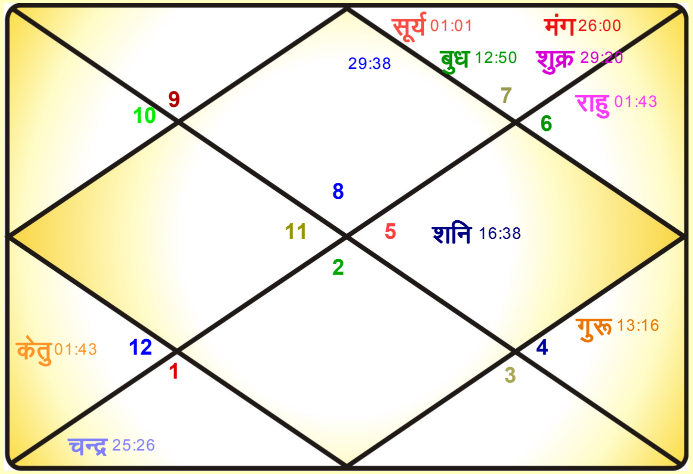

कृष्णमूर्ति भाव चलित

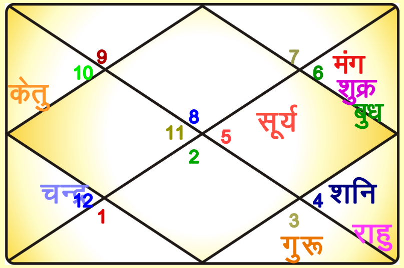

नवांश कुण्डली

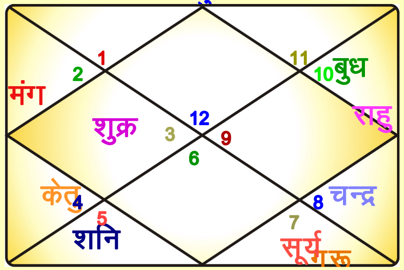

ग्रह अवस्था

ग्रह	स्वप्नादि 3	बलादि 5	लज्जितादि 9	दिप्तादि 9	दिप्तादि 10
सर्य	सप्त	बाल	लज़्जित	दखित	दीन
चन्द्रमा	स्वप्न	मृत	मदित	शांत	संत
मंगल	स्वप्न	मृत	क्षदित	दीन	दीन
बध	स्वप्न	यवा	लज़्जित	शांत	संत
गरू	स्वप्न	यवा		दीप्त	दीप्त
शक्र	जाग्रत	मृत	लज़्जित	स्वस्थ	स्वस्थ
शनि	सप्त	यवा	क्षदित	दखित	
राह	स्वप्न	बाल		दीन	मदित
केत	स्वप्न	बाल	लज़्जित	दीन	वक्र

सन्नडि

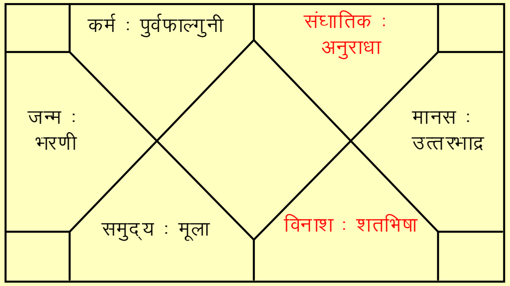

स्थन	
कुज स्थुन-	हस्त
कंटक स्थुन-	आश्लेषा
रक्त स्थुन-	हस्त

त्रि-नाडि	
देश-	
जाति-	रेवती
प्रतिष्ठा-	अश्विनी

नव-तारा चक्र

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	निधन	मित्र	अति मित्र
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पनर्वस	पष्य	आश्लेषा	मघा
पर्वाफाल्गनी	उत्तराफाल्गनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनराधा	ज्येष्ठा	मल
पर्वाषाढ	उत्तराषाढ	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी

आर्कचतुष्ट्य और नवशुभ अर्क

जन्म : भरणी	कर्म : पुर्वफाल्गुनी	आधान : पूर्वाषाढ़	नैधव : धनिष्ठा

आर्कचतुष्ट्य की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२८ नक्षत्र के आधार पर)।

		दग्ध : चित्रा	क्षय : ज्येष्ठा
	शूल : उत्तराषाढ़	सन्निपात : रेवती	ध्वज : रोहिणी
उल्का : पुनर्वसु	भुकम्प : पुष्य	वज्रक : अश्लेषा	निर्घात : मघा

नवशुभ अर्क की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२७ नक्षत्र के आधार पर)।

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	चन्द्रमा	------
चन्द्रमा	सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र	------
मंगल	चन्द्रमा	------
बुध	चन्द्रमा	------
गुरू	------	लग्न, केतु
शुक्र	चन्द्रमा	------
शनि	------	सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र
राहु	केतु	------
केतु	राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (च0)	वृश्चिक	सिहं (श0), कुम्भ
वृष	तुला (सू0, मं0, बु0, शु0)	कर्क (गु0), मकर
मिथुन	कन्या (रा0)	धनु, मीन (के0)
कर्क (गु0)	कुम्भ	वृष, वृश्चिक
सिहं (श0)	मकर	मेष (च0), तुला (सू0, मं0, बु0, शु0)
कन्या (रा0)	मिथुन	धनु, मीन (के0)
तुला (सू0, मं0, बु0, शु0)	वृष	सिहं (श0), कुम्भ
वृश्चिक	मेष (च0)	कर्क (गु0), मकर
धनु	मीन (के0)	मिथुन, कन्या (रा0)
मकर	सिहं (श0)	वृष, वृश्चिक
कुम्भ	कर्क (गु0)	मेष (च0), तुला (सू0, मं0, बु0, शु0)
मीन (के0)	धनु	मिथुन, कन्या (रा0)

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज़्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द
सर्य	---									
चन्द्रमा	2/12 (-)	---								
मंगल	6/8 (+)	7/7 (-)	---							
बध	2/12 (+)	1/1 (-)	7/7 (+)	---						
गरू	2/12 (-)	1/1 (-)	7/7 (-)	1/1 (-)	---					
शक्र	5/9 (-)	4/10 (-)	4/10 (-)	4/10 (-)	4/10 (+)	---				
शनि	2/12 (+)	1/1 (-)	7/7 (+)	1/1 (+)	1/1 (-)	4/10 (-)	---			
राह	4/10 (-)	3/11 (-)	5/9 (+)	3/11 (-)	3/11 (+)	2/12 (+)	3/11 (-)	---		
केत	3/11 (-)	2/12 (+)	6/8 (-)	2/12 (-)	2/12 (-)	3/11 (-)	2/12 (-)	2/12 (-)	---	
इन्द	5/9 (-)	6/8 (+)	2/12 (-)	6/8 (-)	6/8 (-)	5/9 (-)	6/8 (-)	6/8 (-)	7/7 (+)	---

लिजेन्ड-

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/९ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिया गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
शनि	2	3	4	3	5	5	2	3	3	3	3	3	39
बृहस्पति	4	5	3	7	7	2	6	5	4	5	5	3	56
मगंल	4	4	3	2	6	3	1	3	3	2	4	4	39
सूर्य	5	4	5	3	5	5	3	4	2	4	4	4	48
शुक्र	3	5	6	3	5	3	2	5	6	2	6	6	52
बुध	3	5	7	3	6	5	3	5	4	3	7	3	54
चन्द्रमा	6	3	5	5	5	2	4	1	5	6	5	2	49
योग	27	29	33	26	39	25	21	26	27	25	34	25	337
लग्न	2	4	3	4	6	3	5	4	4	7	2	5	49
राहु	5	3	2	4	2	4	5	4	5	3	5	2	44

तत्व चक

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	93	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	79	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	88	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	77	उत्तर

(विशेष - सबसे ज्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	128	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	110	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	99	वित्त हानि

दिशा चक

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	77	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	93	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	79	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	88	दुर्भाग्य और हानि

सुदर्शन चक्र

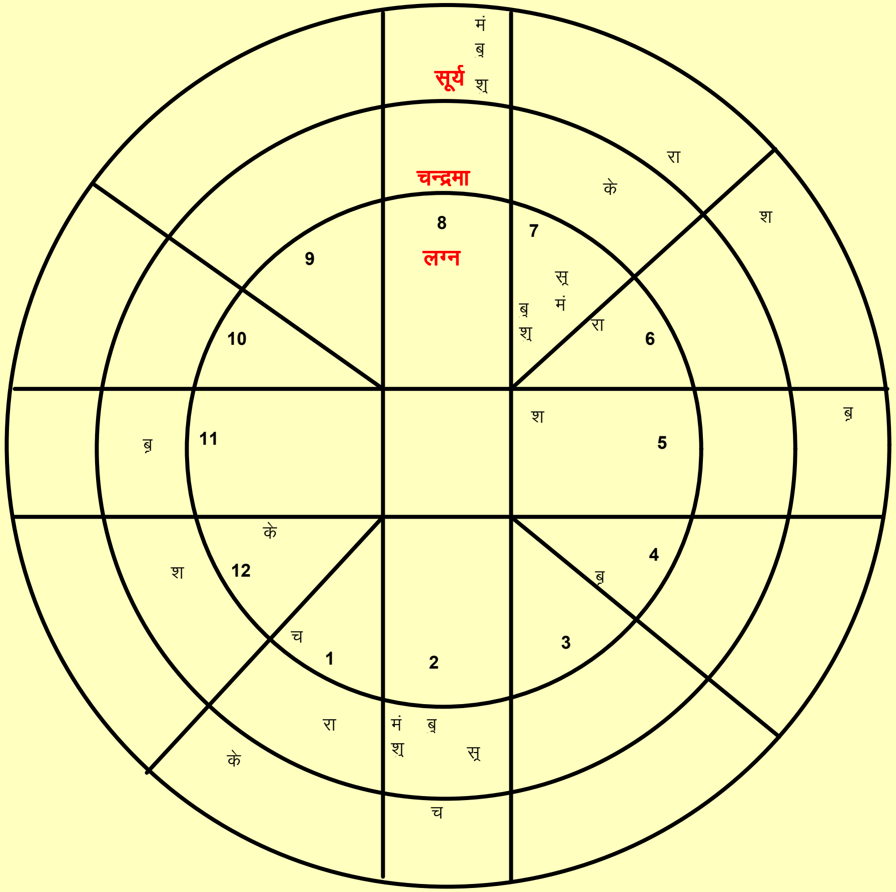

सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों को देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़गें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।